भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †1504

सोमवार, 9 फरवरी, 2026/20 माघ, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

हरियाणा के रोहतक में पर्यटन विकास

†1504. श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डाः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत हरियाणा के रोहतक जिले में किन्हीं पर्यटन विकास परियोजनाओं की पहचान की है अथवा प्रस्तावित है;

(ख) यदि हां, तो ऐसी परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है और स्थान, वित्तीय परिव्यय और कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या रोहतक में तिलयार झील परिसर या अन्य सांस्कृतिक या पारिस्थितिकीय स्थलों का पर्यटन केन्द्र के रूप में उन्नयन अथवा संवर्धन किए जाने का प्रस्ताव किया गया है;

(घ) क्या सरकार को रोहतक को किसी नए पर्यटन परिपथ में शामिल करने के लिए हरियाणा राज्य सरकार से कोई प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं; और

(ङ) यदि हां, तो इस पर क्या कार्रवाई की गई है और क्षेत्रीय पर्यटन और रोजगार सृजन पर क्या प्रभाव पड़ने की संभावना है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय अपनी केंद्रीय क्षेत्रों की योजनाओं, जैसे 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)'- स्वदेश दर्शन योजना की एक उप-योजना तथा 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' योजना के दिशानिर्देशों और सरकार के निदेशों के अनुरूप संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन से परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति, निधियों की उपलब्धता, पारस्परिक प्राथमिकता आदि के तहत उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को संपूरित करता है। मंत्रालय द्वारा अपनी योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाएं पर्यटन अवसंरचना के विकास और गंतव्य संबंधी अनुभव को बेहतर बनाने पर केंद्रित हैं। ये पहल स्थानीय रोजगार

भी पैदा करती हैं और गंतव्यों पर समग्र पर्यटक संतुष्टि एवं आगंतुक अनुभव को बेहतर बनाती हैं। मंत्रालय ने केंद्रीय एजेंसियों को सहायता की योजना के तहत वर्ष 2013 में 'तिलयार झील पर मल्टीमीडिया/लेजर शो' के कार्यान्वयन के लिए 5.00 करोड़ रुपये की लागत की एक परियोजना को मंजूरी दी थी।

भारत सरकार ने अपनी 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केन्द्रों का विकास' योजना के तहत हाल ही में हरियाणा सहित देश में प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का व्यापक रूप से विकास करने, वैश्विक स्तर पर उनकी ब्रांडिंग और विपणन करने के प्राथमिक उद्देश्य से परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

यद्यपि परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति इस प्रक्रिया का एक भाग है, वर्तमान में पर्यटन मंत्रालय के पास रोहतक जिले सहित हरियाणा में परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वदेश दर्शन, स्वदेश दर्शन 2.0 और प्रशाद योजना के तहत हरियाणा में स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा इस प्रकार है:-

(करोड़ रु. में)

योजना	**परियोजना/अनुभव का नाम**	**परिपथ/ गंतव्य**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि**	**जारी या अधिकृत राशि (आर), जारी या उपयोग के लिए अधिकृत राशि (ए) और उपयोग की गई राशि (यू)**
स्वदेश दर्शन	कुरुक्षेत्र में महाभारत से संबंधित स्थानों पर पर्यटन अवसंरचना का विकास	कृष्ण परिपथ	2016-17	77.39	76.74 (यू)
स्वदेश दर्शन 2.0	टिक्कर ताल और एडवेंचर पार्क में एडवेंचर टूरिज्म हब का विकास	पंचकुला	2024-25	26.68	2.67 (ए)
स्वदेश दर्शन 2.0	यादविन्द्रा गार्डन का कायाकल्प	पंचकुला	2024-25	65.82	6.58 (ए)
प्रशाद	पंचकुला जिले में माता मनसा देवी मंदिर और नाडा साहेब गुरुद्वारा का विकास	पंचकुला	2019-20	48.53	34.68 (यू)

****